

## « हमारा बाणा पर्दा-मुक्त हरियाणा » इति: शुभारंभ



**गुलामी में पर्दा था मजबूरी,  
नारी; आज़ाद भारत में क्यों दुखी हो रही।**

Dr. Santosh Dahiya,  
President, Akhil Bhartiya Mahila Shakti Manch

**हमारा बाणा, पर्दा-मुक्त हरियाणा।**

Phool Malik, Founder, Nidana Heights



[www.nidanaheights.com](http://www.nidanaheights.com)

अखिल भारतीय महिला शक्ति मंच व निडाना हाइट्स के संयुक्त अभियान "हमारा बाणा, पर्दा-मुक्त हरियाणा" को अमली-जामा पहनाने हेतु, इस पवित्र अभियान की ध्वजवाहक डॉक्टर संतोष दहिया (अध्यक्षा अखिल भारतीय महिला शक्ति मंच) ने कहा कि अब समय आ गया है जब हमें अपने हरियाणा को ऐसी मजबूरियों से मुक्त करना है जिनको कि हम प्रथा अथवा परम्परा मान बैठे हैं। आज के युग में महिलाओं के पर्दे को गैरजरूरी व परिवार-समाज और देश की सम्पन्नता व तरक्की में बाधक बताते हुए उन्होंने कहा कि अब लोग घरों में पर्दा लगभग खत्म कर चुके हैं और आज की युवा पीढ़ी भी यही चाहती है कि हम पर्दा-मुक्त हरियाणा बनाएं।



डॉक्टर दहिया आगे कहती हैं कि आज के दिन विभिन्न टीवी चैनलों पर आने वाले भिन्न-भिन्न धार्मिक सीरियलों में भी दिखाई जाने वाली खास और आम दोनों तरह की कोई भी औरत पर्दा करे हुए नहीं दिखाई जाती। अतः साफ़ है कि पर्दा हिन्दू संस्कृति का हिस्सा नहीं था और ना ही है।

इस अभियान में डॉक्टर दहिया के शिष्य, निकट सहयोगी व निडाना हाइट्स के संस्थापक फूल मलिक भारत में पर्दे की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि बारे कहते हैं कि हमारे धर्म-शास्त्र-वेद-पुराण किसी में भी भारतीय महिला के पर्दे के इस रूप की कोई उल्लेखना नहीं है जो कि आज औरतों के मुंह पर देखा जाता है। उन्होंने कहा कि औरत का पर्दा भारत में गुलाम-काल में हमारी स्त्रियों को विदेशी शासकों व आक्रान्ताओं के हमलों व अवांछित इरादों से बचाने हेतु मजबूरीवश शुरू किया गया था। मलिक ने कहा कि जैसे हम आज भी ऐसे कई सारे कानून ढो रहे हैं जो कि अंग्रेजों के दिए हुए हैं और अभी तक बदले नहीं गए हैं; ऐसे ही पर्दा रूपी

सामाजिक बुराई भी उसी काल की देन है, जो 1947 में आज़ादी मिलने के साथ ही चली जानी चाहिए थी लेकिन "देर आयद दुरुस्त आयद" के अनुसार इसकी शुरुवात जब हो जाए तब शुभम।

यह अभियान कैसे चलाया जाए पूछने पर डॉक्टर दहिया कहती हैं कि इसमें बुजुर्गों के मान-सम्मान को बनाये रखने की जरूरत सबसे अहम होगी। हमारे बुजुर्गों के सहयोग व आशीर्वाद, उनकी इच्छा व कद को ध्यान में रखते हुए हम इस अभियान को इस तरीके से चलाना होगा कि उनका आजीवन मान भी ऊँचा रहे और आगे आने वाली पीढ़ी जो कि अब पर्दा नहीं देखना चाहती, वो भी इसके बारे जागरूक बन एक पर्दा-मुक्त हरियाणा की नींव डाले।

इसी सिलसिले में डॉक्टर संतोष दहिया की अगुवाई में 30 अप्रैल वार बुधवार को प्रातः 11 बजे, महालक्ष्मी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गाँव पीपली, कुरुक्षेत्र में 31 पति अपनी पत्नियों के घूँघट खुलवा इस अभियान का शुभारंभ करेंगे। अखिल भारतीय महिला शक्ति मंच व निडाना हाइट्स के इस संयुक्त अभियान के साक्षी बनने व अभियान को अपना समर्थन देने हेतु आप सभी सादर आमंत्रित हैं।

इस अवसर पर गाँव के श्री राजेश सैनी सरपंच, श्री ईश्वर सैनी पंच, श्री मदनलाल पंच, श्री संजय कुमार पंच, श्री नरेश कुमार पंच, श्री गजेन्द्र सिंह पंच, श्रीमति विमला देवी पंच, श्रीमति सुमनलता पंच, श्री भंवरपाल सिंह तोमर, श्रीमति विमलेश देवी, श्रीमति कांता देवी, श्रीमति पूनम देवी, श्रीमति कृष्णा देवी, श्री अनिल, श्री संदीप, श्री चंद्रबोस, श्री महेंद्र सिंह, श्री नीरज, श्री वेदप्रकाश, श्रीमति बबिता देवी, श्री विपिन, श्रीमति संरेशवाल, श्रीमति राधा आदि उपस्थित थे।